UP Board Class 7 Science Important Questions Chapter 2 रेशों से वस्त्र तक

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
जातव रेशे किसे कहते हैं?
उत्तर:
जन्तुओं से प्राप्त किए जाने वाले रेशों को जांतव रेशे कहते हैं।

प्रश्न 2.
याक की ऊन किन क्षेत्रों में प्रचलित है?
उत्तर:
तिब्बत और लद्दाख में।

प्रश्न 3.
दक्षिण अमेरिका में पाए जाने वाले ऐसे दो जन्तुओं के नाम लिखिए, जिनसे ऊन प्राप्त होती है।
उत्तर:
लामा और ऐल्पेका।

प्रश्न 4.
खली क्या है?
उत्तर:
बीज में से तेल निकाल लेने के बाद बचा पदार्थ 'खली' कहलाता है।

प्रश्न 5.
'बर' से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
भेड़ के बालों में पाये जाने वाले छोटे - छोटे कोमल व फूले हुए रेशे 'बर' कहलाते हैं।

प्रश्न 6.
रेशम (सिल्क) की किन्हीं चार किस्मों के नाम लिखिए।
उत्तर:
शहतूत रेशम, टसर रेशम, एरी रेशम और कोसा रेशम।

प्रश्न 7.
कितने दिनों पश्चात् कैटरपिलर खाना लेना बंद कर लेते हैं?
उत्तर:
लगभग 25 से 30 दिनों के बाद कैटरपिलर खाना बंद कर देते हैं।

प्रश्न 8.
प्यूपा या कोशित किसे कहते हैं?
उत्तर:
जब कैटरपिलर अपने जीवनचक्र की अगली अवस्था में प्रवेश करने के लिए तैयार होता है, तो यह प्यूपा/ कोशित कहलाता है।

प्रश्न 9.
शहतूत रेशम कीट के कोकून से प्राप्त होने वाले रेशम फाइबर के कोई तीन गुण लिखिए।
उत्तर:
यह मृदु, चमकदार और लचीला होता है।

प्रश्न 10.
'अंगोरा ऊन' से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
जम्मू एवं कश्मीर के पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाने वाली अंगोरा नस्ल की बकरियों से प्राप्त ऊन 'अंगोरा ऊन' कहलाती है।

प्रश्न 11.
'पश्मीना शॉल' क्या होती हैं?
उत्तर:
कश्मीरी बकरी की त्वचा के निकट मुलायम बाल (फर) होते हैं, इनसे बेहतरीन शॉले बनाई जाती हैं, जिन्हें पश्मीना शॉल कहा जाता हैं।

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
क्या आप जानते हैं कि जन्तुओं के आवरण पर बालों की मोटी परत क्यों होती है?
उत्तर:
बालों के बीच अधिक मात्रा में वायु आसानी से भर जाती है तथा वायु ऊष्मा की कुचालक होती है, जिस के कारण बाल जन्तुओं को गर्म रखते हैं। इसी कारण जन्तुओं के आवरण पर बालों की मोटी परत होती है।

प्रश्न 2.
भेड़ की त्वचा पर कितने प्रकार के रेशे होते हैं? क्या आप बता सकते हैं कि भेड़ के शरीर के किस भाग से फाइबर मिलते हैं?
उत्तर:

1. हमारी ही तरह भेड़ की रोयेंदार त्वचा पर भी दो प्रकार के रेशे होते हैं(क) दाढ़ी के रूखे बाल और (ख) त्वचा के निकट अवस्थित तंतुरूपी मुलायम बाल। यह तंतुरूपी बाल ही ऊन (कार्तित ऊन) बनाने के लिए रेशे प्रदान करते हैं।
2. सामान्यतः भेड़ की पीठ व पेट से फाइबर मिलते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 3.
'वरणात्मक प्रजनन' को समझाइये।
उत्तर:
सामान्यतः भेड़ों में दो प्रकार के रेशे पाये जाते हैं-दाढ़ी के रूखे बाल और त्वचा के निकट स्थित तंतुरूपी मुलायम बाल। परन्तु भेड़ों की कुछ नस्लों में केवल तंतुरूपी मुलायम बाल ही होते हैं। इनके जनकों का विशेष रूप से ऐसी भेड़ों को जन्म देने के लिए चयन किया जाता है, जिनके शरीर पर सिर्फ मुलायम बाल हों। तंतुरूपी मुलायम बालों जैसे विशेष गुणयुक्त भेड़ें उत्पन्न करने के लिए जनकों के चयन की यह प्रक्रिया वरणात्मक प्रजनन' कहलाती है।

प्रश्न 4.
भेड़ के बालों को गमी के मौसम में ही क्यों काटा जाता है?
उत्तर:
सामान्यतः भेड़ के बालों को गर्मी के मौसम में काटा जाता है, ताकि भेड़ बालों के सुरक्षात्मक आवरण के न रहने पर भी जीवित रह सके। सर्दी के मौसम तक इनके बाल पुनः उग आते हैं जिससे इन्हें सर्दी से सुरक्षा मिलती है।

प्रश्न 5.
भेड़ों की कुछ भारतीय नस्लों के नाम, क्षेत्र एवं उनकी ऊन की गुणवत्ता के विषय में
लिखिए।
उत्तर:

नस्ल का नाम	ऊन की गुणवत्ता	राज्य जहाँ पाई जाती हैं
1.लोही	अच्छी गुणवत्ता की ऊन	राजस्थान, पंजाब
2. रामपुर बुशायर	भूरी ऊन	उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश
3. नाली (नली)	गलीचे की ऊन	राजस्थान, हरियाणा,
4. बाखरवाल	ऊनी शालों के लिए	पंजाब
5. मारवाड़ी	मोटी / रूक्ष ऊन	जमू और कश्मीर
6. पाटनवाड़ी	हौजरी के लिए	गुजरात

प्रश्न 6.
'सिल्क रूट' से आप क्या समझते हो? स्पष्ट करें।
उत्तर:

एक प्राचीन चीनी किंवदंती के अनुसार रेशम उद्योग का प्रारम्भ चीन में हुआ था और सैकड़ों वर्षों तक इसे कड़ी पहरेदारी में गुप्त रखा गया। बाद में यात्रियों और व्यापारियों ने रेशम को अन्य देशों में प्रचलित किया । जिस मार्ग से उन्होंने यात्रा की थी, उसे आज भी 'सिल्क रुट' कहते हैं।

प्रश्न 7.
व्यावसायिक संकट किसे कहते हैं?
उत्तर:
व्यावसायिक संकट: ऊन उद्योग हमारे देश में अनेक व्यक्तियों के लिए जीविकोपार्जन का एक महत्त्वपूर्ण साधन है। लेकिन उँटाई करने वालों का कार्य जोखिम भरा होता है, क्योंकि कभी - कभी वे एन्पैक्स नामक जीवाणु द्वारा संक्रमित हो जाते हैं, जो एक घातक रक्त रोग का कारक है, जिसे 'सोर्टर्स रोग' कहते हैं। किसी भी उद्योग में कारीगरों द्वारा ऐसे जोखिमों को झेलना 'व्यावसायिक संकट' कहलाता है।

https://www.evidyarthi.in/